महाविद्यालय विकास योजना

सत्र 2026–27

महाविद्यालय का नाम: पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय बालिका महाविद्यालय, सेवापुरी, वाराणसी
जनपद: वाराणसी, उत्तर प्रदेश
सत्र: 2026–27
प्रस्तुतकर्ता: प्राचार्य
योजना का प्रकार: वार्षिक महाविद्यालय विकास योजना

---

1. प्रस्तावना

महाविद्यालय का उद्देश्य छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक, मूल्यपरक एवं समावेशी उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को सुनिश्चित करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए महाविद्यालय की शैक्षणिक, भौतिक, प्रशासनिक, डिजिटल, अनुसंधानात्मक एवं छात्र-केंद्रित गतिविधियों के विकास हेतु सत्र 2026–27 की यह महाविद्यालय विकास योजना तैयार की गई है।

यह योजना महाविद्यालय की वर्तमान आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों तथा भविष्य की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

---

2. विकास योजना के प्रमुख उद्देश्य

1. शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना।
2. छात्राओं के लिए आधुनिक एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना।
3. ICT एवं डिजिटल तकनीक का शिक्षण में अधिकतम उपयोग करना।
4. पुस्तकालय एवं ई-लर्निंग संसाधनों को सुदृढ़ करना।
5. प्रयोगशालाओं एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का आधुनिकीकरण करना।
6. छात्राओं के कौशल, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को बढ़ावा देना।
7. शोध, नवाचार एवं अकादमिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
8. खेल, सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का विस्तार करना।
9. हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल परिसर का विकास करना।
10. NAAC/IQAC तथा अन्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप संस्थागत गुणवत्ता में सुधार करना।
11. छात्राओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्राथमिकता देना।
12. प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा देना।

1- 27/01/2026 2- 3- Saurabh

3. शैक्षणिक विकास योजना

क्र.	प्रस्तावित कार्य	लक्ष्य	समयसीमा
1	नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण कक्षाओं का संचालन	100% पाठ्यक्रम पूर्णता	पूरे सत्र
2	ICT आधारित शिक्षण	अधिकतम कक्षाओं में ICT का प्रयोग	पूरे सत्र
3	कमजोर छात्राओं के लिए Remedial Classes	आवश्यकता के अनुसार	प्रत्येक सेमेस्टर
4	प्रतिभाशाली छात्राओं हेतु Enrichment Programme	विषयगत उन्नयन	पूरे सत्र
5	Tutorial/Mentoring व्यवस्था	प्रत्येक छात्रा को अकादमिक मार्गदर्शन	पूरे सत्र
6	आंतरिक मूल्यांकन की गुणवत्ता में सुधार	समयबद्ध मूल्यांकन	प्रत्येक सेमेस्टर
7	प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु मार्गदर्शन	नियमित Career/Competitive Classes	पूरे सत्र

---

4. ICT एवं डिजिटल विकास

प्रस्तावित कार्य

- स्मार्ट क्लासरूम का विस्तार।
- प्रोजेक्टर/इंटरैक्टिव डिस्प्ले की उपलब्धता।
- कम्प्यूटर सिस्टम का आधुनिकीकरण।
- ई-कंटेंट एवं डिजिटल शिक्षण सामग्री का विकास।
- ऑनलाइन शैक्षणिक संसाधनों का उपयोग।
- महाविद्यालय की वेबसाइट को नियमित रूप से अपडेट करना।
- ऑनलाइन प्रवेश, परीक्षा, छात्रवृत्ति एवं अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक व्यवस्थित करना।

प्राथमिकता: आवश्यक
समयसीमा: सत्र 2026–27
संभावित वित्तीय स्रोत: महाविद्यालयीय बजट/शासन से प्राप्त अनुदान/अन्य अनुमन्य स्रोत।

---

5. पुस्तकालय विकास योजना

1. नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की खरीद।
2. Reference Books की संख्या बढ़ाना।
3. ई-बुक एवं ई-जर्नल संसाधनों का उपयोग बढ़ाना।
4. पुस्तकालय में डिजिटल कैटलॉग की व्यवस्था।
5. छात्राओं के लिए Reading Room सुविधा को सुदृढ़ करना।
6. प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों का पृथक अनुभाग विकसित करना।

प्राचार्य

7. पुरानी एवं क्षतिग्रस्त पुस्तकों का नियमानुसार परीक्षण/निस्तारण।

---

6. प्रयोगशाला विकास योजना

संबंधित विषयों (गृहविज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा) की प्रयोगशालाओं में—

- आवश्यक उपकरणों की खरीद/प्रतिस्थापन।
- उपकरणों का नियमित रखरखाव।
- प्रयोगशाला सुरक्षा व्यवस्था।
- आवश्यक उपभोग्य सामग्री की उपलब्धता।
- विद्यार्थियों के Practical Work को बेहतर बनाने हेतु संसाधनों की उपलब्धता।

---

7. छात्रा विकास योजना

छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु निम्न कार्यक्रम प्रस्तावित हैं—

शैक्षणिक

- छात्रा मेंटरिंग।
- Career Guidance।
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी।
- भाषा एवं संचार कौशल विकास।

कौशल विकास

- Computer Literacy।
- Digital Literacy।
- Communication Skills।
- Soft Skills।
- Entrepreneurship एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण।

व्यक्तित्व विकास

- भाषण/वाद-विवाद प्रतियोगिता।
- निबंध एवं लेखन प्रतियोगिता।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम।, मानसिक स्वास्थ्य एवं ध्यान योग।
- राष्ट्रीय सेवा योजना/अन्य अनुमन्य गतिविधियाँ।

प्राचार्य
पं० दीन दयाल [redacted]
[redacted]

8. खेल एवं सांस्कृतिक विकास

1. खेल सामग्री की उपलब्धता एवं नवीनीकरण।
2. वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता।
3. योग एवं शारीरिक स्वास्थ्य कार्यक्रम।
4. सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
5. अंतर महाविद्यालयी एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में छात्राओं की भागीदारी को प्रोत्साहन।

---

09. छात्रा सुरक्षा एवं कल्याण योजना

- परिसर में आवश्यक स्थानों पर CCTV व्यवस्था।
- महिला सुरक्षा संबंधी जागरूकता कार्यक्रम।
- Internal Complaints Committee/अन्य अनुमन्य समितियों को सक्रिय रखना।
- छात्राओं की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था।
- प्राथमिक चिकित्सा सुविधा।
- स्वच्छ पेयजल।
- छात्राओं के लिए स्वच्छ एवं पर्याप्त शौचालय।
- आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम।

---

10. भौतिक अवस्थापना विकास योजना

प्राथमिकता वाले कार्य

1. कक्षाओं का रखरखाव एवं आवश्यक मरम्मत।
2. फर्नीचर की आवश्यकता का आकलन एवं पूर्ति।
3. विद्युत व्यवस्था का रखरखाव।
4. शौचालयों की मरम्मत एवं स्वच्छता।
5. परिसर की सुरक्षा व्यवस्था।
6. भवन एवं परिसर का नियमित रखरखाव।
7. आवश्यकतानुसार दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाओं का विकास।

---

11. हरित एवं स्वच्छ परिसर योजना

महाविद्यालय को पर्यावरण-अनुकूल एवं स्वच्छ परिसर के रूप में विकसित करने हेतु—

- वृक्षारोपण अभियान।
- बरसाती जल संचय (rain water harvesting)
- पौधों का संरक्षण एवं नियमित देखभाल।
- वर्षा जल संरक्षण की संभावनाओं का विकास।

प्राचार्य

- जल एवं विद्युत की बचत।
- प्लास्टिक के उपयोग को न्यूनतम करना।
- कचरा पृथक्करण एवं उचित निस्तारण।
- पत्ते – छिलके से जैविक एवं कम्पोस्ट खाद हेतु गड्ढे
- स्वच्छता अभियान।
- ऊर्जा संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम।

---

12. शोध एवं नवाचार विकास योजना

1. शिक्षकों को शोध कार्य के लिए प्रोत्साहित करना।
2. शोध-पत्र प्रकाशन एवं अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा देना।
3. सेमिनार/वेबिनार/कार्यशाला का आयोजन।
4. छात्राओं/शोधार्थियों में Research Orientation विकसित करना।
5. संबंधित संस्थानों के साथ अकादमिक सहयोग की संभावनाएँ विकसित करना।

---

13. IQAC एवं गुणवत्ता सुधार योजना

IQAC के माध्यम से—

- Academic Audit।
- Feedback System।
- Student Satisfaction सम्बन्धी गतिविधियाँ।
- Best Practices का दस्तावेजीकरण।
- विभिन्न समितियों की गतिविधियों का अभिलेखीकरण।
- वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना।
- गुणवत्ता सुधार हेतु विभागवार लक्ष्य निर्धारित करना।
- NAAC/NIRF से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों का व्यवस्थित संधारण।

---

14. प्रशासनिक विकास योजना

1. कार्यालयीन कार्यों में डिजिटल तकनीक (e-office) का अधिकतम उपयोग।
2. अभिलेखों का व्यवस्थित रख-रखाव।
3. महत्वपूर्ण अभिलेखों का डिजिटल बैकअप।
4. पत्रावलियों एवं प्रशासनिक कार्यों का समयबद्ध निस्तारण।
5. विभिन्न समितियों की नियमित बैठकें।
6. छात्राओं से संबंधित कार्यों का पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण।

15. समुदाय एवं सामाजिक सहभागिता

महाविद्यालय द्वारा स्थानीय समुदाय से जुड़ाव बढ़ाने हेतु—

- मतदाता जागरूकता।
- स्वच्छता अभियान।
- पर्यावरण संरक्षण।
- महिला सशक्तीकरण (मिशन शक्ति)।
- बालिका शिक्षा जागरूकता।
- स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता।
- साइबर सुरक्षा जागरूकता।
- सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम।

---

16. कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण व्यवस्था

महाविद्यालय विकास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्राचार्य के निर्देशन में संबंधित समितियों/विभागों को कार्य आवंटित किया जाएगा।

प्रत्येक प्रमुख कार्य के लिए—

- कार्य का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा।
- जिम्मेदार समिति/अधिकारी नामित किया जाएगा।
- समयसीमा निर्धारित की जाएगी।
- उपलब्धि की समीक्षा की जाएगी।
- आवश्यक अभिलेख एवं फोटोग्राफिक/डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखे जाएंगे।
- आवश्यकता के अनुसार योजना में संशोधन किया जाएगा।

---

17. वार्षिक समीक्षा

महाविद्यालय विकास योजना की प्रगति की समीक्षा प्रत्येक चरण में की जाएगी। सत्र के अंत में निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष उपलब्धियों का मूल्यांकन कर **Annual Development Report** तैयार की जाएगी।

अपूर्ण कार्यों को आगामी सत्र की विकास योजना में प्राथमिकता के आधार पर सम्मिलित किया जा सकेगा।

---

18. अपेक्षित परिणाम

इस विकास योजना के क्रियान्वयन से—

1. शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार होगा।

प्राचार्य

2. छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि में वृद्धि होगी।
3. डिजिटल एवं ICT संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा।
4. पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं की उपयोगिता बढ़ेगी।
5. छात्राओं के कौशल एवं रोजगारपरक क्षमता में वृद्धि होगी।
6. शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा।
7. सुरक्षित, स्वच्छ एवं हरित परिसर का विकास होगा।
8. प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ेगी।
9. संस्थागत गुणवत्ता एवं अकादमिक वातावरण में सुधार होगा।

---

19. अनुमोदन

उपरोक्त महाविद्यालय विकास योजना सत्र 2026–27 हेतु महाविद्यालय की आवश्यकताओं एवं उपलब्ध संसाधनों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। योजना को महाविद्यालय की सक्षम समिति/प्राचार्य/संबंधित प्राधिकारी के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाता है।

स्थान: सेवापुरी, वाराणसी

दिनांक: 27.08.2026

प्रस्तुतकर्ता

हस्ताक्षर: 27/08/2026

नाम: डॉ. रामकृष्ण, डॉ. सत्यनारायण वर्मा, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. प्रिया भि

पद: _____

IQAC समन्वयक

हस्ताक्षर: _____

नाम: _____

प्राचार्य

हस्ताक्षर एवं मुहर: _____

महाविद्यालय: _____

प्राचार्य